वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन काल्हि संसद में केन्द्रीय बजट दुइ हजार छब्बीस–सत्ताईस पेस कइलिनि। एगो रिपोर्ट–

बजट में विनिर्माण, अवसंरचना और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। बजट में रिटर्न संशोधित करने की समय सीमा को पहले के 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च और आयकर रिटर्न की देय तिथियों को अलग–अलग किया गया है। निजी उपयोग की वस्तुओं पर शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करने से व्यक्तिगत आयात सस्ता हो जाएगा। कैंसर की 17 प्रकार की दवाओं और कुछ दुर्लभ बीमारियों के उपचारों को सीमा शुल्क से छूट दी गई है। यह श्रीमती सीतारामन का लगातार नौवां बजट था। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहलें कि केन्द्रीय बजट जन–केन्द्रित बा आ अप्रत्यासित सुधारन के साथे भारत क नेइ मजबूत करे ला।

ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है और भारत के उज्जवल भविष्य की नींव को सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत के हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है।

प्रधानमंत्री आम बजट के इतिहासिक बतावत कहलें कि ई देस के सुधार पथ आ दीर्घकालिक विकास के गति देई।

यह युवा शक्ति बजट है। उसमें युवा की सोच भी है, युवा के सपने भी हैं, युवा का संकल्प भी है और साथदृसाथ युवा की गति भी है। बजट में जो प्रावधान किए गए हैं उससे अलग–अलग सेक्टर्स में लीडर्स, इनोवेटर्स और क्रिएटर्स तैयार होंगे।

****

केन्द्रीय बजट–दुइ हजार छब्बीस–सत्ताईस में रिफॉर्म ग्रोथ आ फिजिकल डिसिप्लिन साफ तौर पर देखे के मिलल हौ। केन्द्रीय बजट के बारे में आजु लखनऊ में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहलें कि किसान, नौजवान, महिला आ गरीबन क आकांक्षा के धियान में रखि के ई बजट पेस कइल गइल।

इस बजट में लॉजिस्टिक के लिए भी काफी बड़ी संभावनाएं है और उसके हब के रूप में गौतमबुद्धनगर, कानपुर के साथ ही वाराणसी को क्योकि देश का पहला वाटरवेज यह वाराणसी से हल्दिया के बीच में प्रारंभ हुआ है। तो मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के रूप में वाराणसी को डवलप करने की कार्रवाई को इससे गति मिलेगी। पिछले बजट में प्रदेश को सात ऐसे कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल उपलब्ध हुए थे और हम धन्यवाद देंगे आदरणीय प्रधानमंत्री जी को कि इस बार उन्होंने हर जनपद में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल की घोषणा की है। यूपी के 75 जनपदों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहले हवें कि कृषि उत्पादन क वास्तविक सक्ति उच्च गुणवत्ता वाला, भरोसामंद आ प्रमाणित बीया में निहित बा। प्रदेस खातिर नया आ आधुनिक 'बीज नीति' समय क मांग हौ। लखनऊ में बीज नीति पर आजु भइल बइठकी में मुख्यमंत्री अगिला पांच बरिस खातिर प्रदेस कै बीज उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता आ उपलब्धता बदे ठोस रोडमैप तइयार कइले पर जोर दिहलें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अध्यक्षता में काल्हि 'उत्तर प्रदेश राज्य सड़क निधि प्रबंधन समिति' क बइठकी भइल। येह दौरान मुख्यमंत्री प्रदेस में ओवरलोड गाड़ियन क रोकथाम, सड़कि सुरक्षा जागरूकता बढ़ावे आ स्थानीय निकायन के व्यवस्था के मोताबिक पार्किंग सुनिस्चित करवले पर जोर दिहलें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष अप्रैल के अन्त तक वार्षिक कार्ययोजना तैयार कर अप्रूव करा ली जाए। हेड–वाइज एलोकेशन शुरुआत से ही सुनिश्चित हो और जिन मदों में आंतरिक संशोधन की आवश्यकता हो, उसे समय पर अनुमोदित कराएं, ताकि विकास कार्य बाधित न हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण में नई तकनीक को अपनाना चाहिए। ऐसे नए प्रयोगों को अपनाया जाए, जिनमें सड़क की कॉस्ट कम, लेकिन लाइफ ज्यादा हो। समाचार कक्ष से विवेक सिंह।

राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी के एगो अउरियो बइठकी में मुख्यमंत्री चालू वित्तीय बरिस पूरा भइले ले प्रदेस में कुलि क्रेडिट डिपॉजिट –सी.डी. रेसियो के बासठ फीसदी से बेसी कइले क लक्ष्य तय कइले हवें।

****

केंद्र सरकार, ईमेल के जरिया से प्रसारित हो रहल एगो फरजी सनेसा क खंडन कइले हौ। एहमें लोगिन से ई–पैन कार्ड डाउनलोड करे क अनुरोध कइल गइल बा। पत्र सूचना कार्यालय क तथ्य जांच इकाई बतवले हवे कि प्रसारित हो रहल ई–मेल फरजी बा। सरकार लोगिन से आग्रह कइले हौ कि ऊ वित्तीय आ संवेदनसील जनकारी साझा कइले से जुड़ल अइसने ईमेल, लिंक, कॉल आ एसएमएस पर प्रतिक्रिया न दें।

****

मौसम विभाग प्रदेस में आजु आ बिहने कहीं–कहीं गरज–चमकि के साथे बौछार परले आ बरखा भइले क सम्भावना जतवले हवे।

****